सामा सन्देश

# क्वाडकोप्टर और इन्टरनेट ऑफ थिंग्स पर कार्यशाला शुरू

**पिलानी।** बिरला शिशु विहार पिलानी में शुक्रवार को क्वाडकोप्टर एवं इन्टरनेट ऑफ थिंग्स चीजों का इंटरनेट पर दो दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। मुख्यातिथि डॉ वी. एन. धोलाखंड्डी निदेशक बिरला म्यूजियम सेन्टर पिलानी व बीईटी उपनिदेशक के के पारीक की अध्यक्षता में कार्यशाला का उद्घाटन किया गया।

मुख्यातिथि डॉ. धोलाखंड्डी ने बताया कि क्वाडकोप्टर और इन्टरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) दोनों ही विषय वर्तमान में लोकप्रिय है व दैनिक विज्ञान और दैनिक जीवन का हिस्सा है। प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वर्तमान में साइंस में हो रहे शोध व आविष्कारों से अवगत करवाना है। कार्यशाला का विषय बच्चों के लिए क्वाडकोप्टर और इन्टरनेट ऑफथिंग्स बहुत ही रोचक विषय है। क्वाडकोप्टर मानव रहित हवाई वाहनों का उपयोग सैन्य एवं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ-साथ शहरी वातावरण में खोज तथा बचाव मिशन द्वारा निगरानी व पुनर्जागरण के लिए किया जाता है। एक क्वाडकोप्टर, मल्टीरोटर हेलीकॉप्टर है जिसे चार रोटर्स द्वारा उठाया जाता है तथा चलाया जाता है। यह ड्रोन की तरह काम करता है।

रिसोर्स पर्सन नवल अम्बाव्कर, प्रतीक अग्रवाल मुंबई ने बताया कि इन्टरनेट ऑफ थिंग्स और क्वाडकोप्टर दोनों का अनुसंधान, सैन्य और कानून, फोटोग्राफी, पत्रकारिता, कला और खेल आदि में बहुत उपयोग होता है। कार्यशाला में विद्यालय बर्सर कमलजीत सिंह, संयोजक विनीत पांडे, भुवन सिन्धु व श्रीमती हरगुन अरोड़ा सहित छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

**दैनिक नवज्योति**

## मानव रहित विमान पर कार्यशाला का शुभारंभ

न्यूज सर्विस/नवज्योति, पिलानी

बिरला शिशु विहार में क्वाडकोप्टर और इन्टरनेट आफ थिंग्स चीजों का इंटरनेट पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। इसके मुख्य अतिथि डॉ वी.एन. धोलाखंड्डी निदेशक बिरला म्यूजियम और अध्यक्षता केके पारीक उप निदेशक विद्या बिरला एजुकेशन ट्रस्ट ने की।

मुख्य अतिथि डॉ. धोलाखंड्डी ने बताया कि क्वाडकोप्टर और इन्टरनेट ऑफ थिंग्स दोनों ही विषय वर्तमान में बहुत ही लोकप्रिय है और दैनिक विज्ञान और दैनिक जीवन का हिस्सा है। प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने बताया कि इस कार्य शाला का मुख्य उद्देश्य वर्तमान में हो रहे साइंस में शोध और आविष्कारों से अवगत करवाना है जिसमें कार्यशाला का विषय बच्चों के लिए क्वाडकोप्टर और इन्टरनेट ऑफ थिंग्स बहुत ही रोचक विषय है। क्वाडकोप्टर मानव रहित हवाई वाहनों का उपयोग सैन्य और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ-साथ शहरी वातावरण में खोज और बचाव मिशन द्वारा निगरानी और पुनर्जागरण के लिए किया जाता है। एक क्वाडकोप्टर, मल्टीरोटर हेलीकॉप्टर है जिसे चार रोटर्स द्वारा उठाया जाता है और चलाया जाता है। यह ड्रोन की तरह काम करता है। रिसोर्स पर्सन नवल और प्रतीक अग्रवाल मुंबई ने बताया कि इन्टरनेट ऑफथिंग्स और क्वाडकोप्टर

तीन Regional Supplement of Punjab Kesari

राजस्थान केसरी

18 अगस्त, 2018, शनिवार

# मानव रहित विमान व चीजों का इंटरनेट पर कार्यशाला शुरू

कार्यशाला में उपस्थित अतिथि व विद्यार्थियों को प्राचार्य वशिष्ट सम्बोधित करते हुए।

पिलानी, (पंजाब केसरी): बिरला शिशु विहार पिलानी के प्रांगण में शुक्रवार को क्वाडकोप्टर यानि मानव रहित विमान और इन्टरनेट ऑफ थिंग्स चीजों का इंटरनेट पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्यातिथि डॉ वी. एन. धोलाखंड्डी निदेशक बिरला म्यूजियम सेन्टर पिलानी व बीईटी उपनिदेशक के के पारीक की अध्यक्षता में किया गया। मुख्यातिथि डॉ. धोलाखंड्डी ने बताया कि क्वाडकोप्टर और इन्टरनेट ऑफ थिंग्स दोनों ही विषय वर्तमान में बहुत ही लोकप्रिय है व दैनिक विज्ञान और दैनिक जीवन का हिस्सा है। प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि इस कार्य शाला का मुख्य उद्देश्य वर्तमान में हो रहे साइंस में शोध व आविष्कारों से अवगत करवाना है। जिसमें कार्यशाला का विषय बच्चों के लिए क्वाडकोप्टर और इन्टरनेट ऑफ थिंग्स बहुत ही रोचक विषय है । क्वाडकोप्टर मानव रहित हवाई वाहनों का उपयोग सैन्य एवं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ-साथ शहरी वातावरण में खोज तथा बचाव मिशन से निगरानी व पुनर्जागरण के लिए किया जाता है।

राजस्थान पत्रिका . झुंझुनूं, शनिवार, 18 अगस्त, 2018

Weekend पत्रि

# इंटरनेट ऑफ थिंग्स विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

**पिलानी.** कस्बे के बिरला शिशु विहार स्कूल में क्वाडकॉप्टर व इंटरनेट ऑफ थिंग्स विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन शुक्रवार को हुआ। विद्यालय सभागार में आयोजित कार्यशाला उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि बिरला साइंस सेंटर निदेशक डॉक्टर वी एन धोलाखंडी थे। बिरला शिक्षण संस्थान उपनिदेशक वित्त के के पारीक ने अध्यक्षता की अतिथियों ने कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए क्वाडकॉप्टर तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स की दैनिक जीवन में उपयोगिता बताते हुए इसके माध्यम से मानव जीवन को मिलने वाली दिशा पर चर्चा की। इससे पहले विद्यालय प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के आयोजन पर प्रकाश डाला। कार्यशाला संयोजक विनीत पांडे ने बताया कि कार्यशाला में नवल अंबालकर तथा प्रतीक अग्रवाल ने विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान करते हुए क्वाड कॉप्टर तथा इंटरनेट थिंग्स एवं विद्यार्थी के मध्य कड़ी के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला सह संयोजक भुवन सिंधु ने बताया की दो दिवसीय कार्यशाला में शिक्षक तथा विद्यार्थी भाग ले रहे हैं उन्होंने बताया कि क्वाडकॉप्टर एक प्रकार से मल्टी मानव रहित हेलीकॉप्टर है। जिसका उपयोग अनुसंधान क्षेत्र के लिए किया जाता है अंत में विद्यालय परिवार की ओर से अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट करें सम्मानित किया गया। कार्यशाला का समापन शनिवार की शाम को होगा।

**पिलानी.** कस्बे के बिरला शिशु विहार स्कूल में क्वाडकॉप्टर व इंटरनेट ऑफ थिंग्स विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला में विचार व्यक्त करते वक्ता।

दैनिक भास्कर

झुंझुनूं . नवलगढ़ . मुकुं

# साइंस में हो रहे शोध व आविष्कारों की जानकारी दी

भास्कर न्यूज | पिलानी

बिरला शिशु विहार में शुक्रवार को क्वाडकोप्टर एंड इंटरनेट ऑफ थिंग्स विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि बिरला म्यूजियम निदेशक डॉ. वीएन धोलाखंडी थे। अध्यक्षता बीईटी उपनिदेशक केके पारीक ने की। प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने अतिथियों का स्वागत कर बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य स्टूडेंट्स को साइंस में हो रहे शोध व आविष्कारों से अवगत कराना है। डॉ. धोलाखंडी ने कहा कि क्वाडकोप्टर मानव रहित हवाई वाहनों का उपयोग सैन्य व कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ-साथ वातावरण में खोज व बचाव के लिए निगरानी व खोज के लिए किया जाता है। उन्होंने बताया कि क्वाडकोप्टर एक मल्टीरोटर हेलीकॉप्टर है, इसे चार रोटर्स द्वारा चलाया जाता है। यह एक ड्रोन की तरह काम करता है। कार्यशाला के दौरान रिसोर्स पर्सन नवल अंबाव्कर व प्रतीक अग्रवाल मुंबई ने क्वाडकोप्टर एंड इंटरनेट ऑफ थिंग्स विषय पर जानकारी दी। इस मौके पर संयोजक विनीत पांडे, भुवन सिंधु, हरगुन अरोड़ा सहित स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

पिलानी. कार्यशाला को संबोधित करते डॉ. धोलांखंडी।